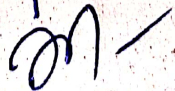


12  
28/12

उपरोक्त प्रमाणों के अनुसार तलबों के  
अनुपातिक । न्यायालय के नए-नए  
लीन परवला जमानत पुनः करने पर भी कोई  
उपाय नहीं हुआ। परवली न्यायालय  
के मा । पूर्व जमानतियों के अनुसार तलबों के  
नए हुए प्रमाणित अवसर से दिनांक 15.9.22 को  
अन्य अवसर प्रदान करने के बाद भी अवसर  
प्रदान करने के लिए तलबों के प्रमाणित नहीं की  
गई । ना ही कोई उचित ~~प्रमाणित~~ ~~प्रमाणित~~

माहीत है कि न्यायालय आदेश - 9 दिनांक 30.5  
सीपीसी काउ को स्वयं से करना उचित समझा  
है अतः वाद को स्वयं से विपक्ष में लाइए  
परवली के माह सुनार होकर वाद बर्खास्त कर दिया  
उपरोक्त अवसर है।

  
उपखण्ड अधिकारी  
झालावाड़